



दिनांक : 16/04/2025

## // प्रेस विज्ञप्ति //

### कन्या महाविद्यालय में

### डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती का आयोजन

शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार एवं संविधान के निर्माता थे, वे दलित समाज के अग्रणी थे। वे एक महान अर्थशास्त्री, न्यायवादी, राजनेता और समाज सुधारक थे तथा ऐसे धर्म को मानते थे जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा का संदेश देता है। उनका आदर्श वाक्य है “शिक्षित बनो, संगठित बनो, संघर्ष करो”। छात्राओं के लिए उनका सिद्धान्त प्रेरणादायी है।

डॉ. सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का योगदान भारत देश के लिये और खासकर दलित समाज के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उनका जीवन हमें संघर्ष करने की प्रेरणा देता है, अंबेडकर भाग्य के बजाय अपने कर्म पर विश्वास करते थे। उनके विचार हमारे लिये सदैव मार्गदर्शन का कार्य करता रहेगा। छात्राओं द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कु. चंचल यादव-प्रथम, कु. भावना बंजारे-द्वितीय एवं भिनेश्वरी-तृतीय स्थान पर रही। निबंध प्रतियोगिता में कु. जैनब निजामी-प्रथम, कु. कविता मालेकर-द्वितीय एवं चंचल यादव-तृतीय स्थान पर रही। परिचर्चा में कु. कविता मालेकर-प्रथम, कु. जैनब निजामी-द्वितीय एवं कु. चंचल यादव-तृतीय पर रही। विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में श्रीमती ज्योति भरणे, डॉ. खेमराज चन्द्राकर, कु. रशिम नौरंगे, डॉ. ज्ञानेन्द्र दुवेदी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने तथा आभार प्रदर्शन श्री नितिन देवांगन ने किया।

टीप- समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

*Lena*  
डॉ. रंजना श्रीवास्तव  
प्राचार्य

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर  
कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग(छ.ग.)

